आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 339 | उज्जैन, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व और संकल्प शक्ति से प्रदेश लिख रहा है निवेश की नई इबारत

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब विकास कोई वादा नहीं, बल्कि अनुभव है। ऐसा अनुभव, जो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदृष्टि और निर्णायक नेतृत्व से संभव हुआ है। राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए भरोसा, पारदर्शिता और नीति-सुधार का ऐसा वातावरण बनाया है, जहाँ हर निवेश अवसर में बदल रहा है और हर विचार उद्योग में। यही परिवर्तन आज 'अभ्युदय मध्यप्रदेश' के रूप में पूरे देश का ध्यान आकर्षित कर रहा है। वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय केवल औपचारिक घोषणा नहीं रहा, बल्कि राज्य की औद्योगिक नीति का सक्रिय अध्याय बना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

के मार्गदर्शन में मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस, इन्फ्रास्ट्रक्चर, इनोवेशन एवं सस्टेनेबिलिटी को औद्योगिक विकास के मुख्य आधार बने हैं। राज्य सरकार द्वारा 18 नई औद्योगिक नीतियाँ तैयार की गईं, जो निवेश, नवाचार, रोजगार और सतत विकास को नई ऊर्जा देती हैं।

राज्य ने इज़ ऑफ डूइंग बिजनेस से आगे बढ़ते हुए कॉन्फिडेंस ऑफ डूइंग बिजनेस का नया दौर शुरू किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल से निवेश प्रक्रिया को न केवल सरल और तेज़ बनाया गया, बल्कि उसे भरोसेमंद और पारदर्शी भी किया गया है। अब हर निवेशक यह अनुभव कर रहा है कि मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करना सुविधा से आगे बढ़कर एक सुरक्षित निर्णय है। इंडस्ट्री प्रमोशन पॉलिसी 2025 इसी दृष्टि का प्रतिबिंब है – पूंजीगत निवेश पर 40 प्रतिशत तक सहायता, रोजगार और निर्यात-आधारित प्रोत्साहन, और एफडीआई को बढ़ावा देने वाले प्रावधान इस नीति को निवेशकों के लिए विशेष रूप से आकर्षक बनाते हैं। गार्मेंट्स, फुटवियर और टॉय उद्योगों में प्रशिक्षण और रोजगार के नए अवसर खुले हैं। वहीं फार्मा, बायोटेक्नोलॉजी और मेडिकल डिवाइस सेक्टर में अनुसंधान और गुणवत्ता-विकास के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं।

राज्य सरकार ने औद्योगिक बुनियादी ढाँचे को भी नई दिशा दी है। स्मार्ट औद्योगिक पार्क, आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और क्लस्टर-आधारित औद्योगिक क्षेत्रों के विकास ने निवेशकों को सुविधा और गति प्रदान की है। नई औद्योगिक टाउनशिप्स, इंटरकनेक्टेड ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर और बिजली की निर्बाध आपूर्ति जैसी पहलों से उद्योगों के लिए समग्र पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हुआ है।

अमार सोनार बांग्ला... असम में कांग्रेस नेता ने गाया बांग्लादेश का राष्ट्रगान

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान एक गाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आरोप है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बिधु भूषण दास ने एक बैठक में कथित तौर बांग्लादेश का राष्ट्रगान अमार सोनार बांग्ला, आमी तोमाय भालोबाशी गीत गाया। कांग्रेस के कार्यक्रम में बांग्लादेशी गीत गाने को लेकर बीजेपी ने कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है। भाजपा ने कांग्रेस को बांग्लादेश-प्रेमी करार दिया।

दरअसल, सोमवार को असम के श्रीभूमि जिले के इंदिरा भवन, स्थानीय कांग्रेस कार्यालय में जिला सेवा दल की कार्यकारिणी समिति की बैठक चल रही थी। इस दौरान सेवा दल के पूर्व जिला अध्यक्ष रह चुके हैं दास ने अपने भाषण की शुरुआत करते हुए बांग्लादेश का राष्ट्रगान, आमार सोनार बांग्ला गाया।

कांग्रेस का बांग्लादेशी प्रेम- इस घटना को लेकर बीजेपी ने राजनीतिक शुरू कर दी है। बीजेपी ने वीडियो वायरल करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा की असम इकाई ने एक्स पर लिखा, संकेत इससे ज्यादा जोरदार नहीं हो सकते। कुछ ही दिन पहले, बांग्लादेश ने पूरे पूर्वोत्तर को निगलने वाला एक नक्शा प्रकाशित करने की हिम्मत की थी और अब बांग्लादेश-प्रेमी कांग्रेस यहां असम में गर्व से बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रही है।

T-20 कप्तान सूर्य कुमार यादव की माँ ने चोटिल क्रिकेटर श्रेयस अय्यर के लिए छठ पर की कामना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मां की ममता सभी संतान के लिए समान होती है। जब भी उसका पुत्र या कोई अन्य संतान तकलीफ में होती है, तो उसकी पीड़ा और ममत्व जाग उठता है। भारतीय टी ट्वेंटी क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की मां, सपना देवी, ने अपने छठ पूजा के अवसर पर बेटे के साथ घायल क्रिकेटर श्रेयस अय्यर के स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआ मांगी। मां का प्यार और ममता बिना किसी स्वार्थ के होती है। वह हर परिस्थिति में अपने बच्चे के लिए सुरक्षा कवच की तरह होती हैं। मां की प्रेरणा और सुझाव बच्चों के जीवन को बदल सकते हैं और उन्हें कुछ विशेष करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

त्याग, करुणा और क्षमा की प्रतिमूर्ति, सपना देवी ने मंगलवार की सुबह अपने मुंबई स्थित आवास पर छठ पूजा के दौरान छठ मइया से श्रेयस के लिए मंगलकामना करते हुए अन्य लोगों से भी प्रार्थना करने की अपील की कि श्रेयस जल्द स्वस्थ होकर आस्ट्रेलिया से घर लौटें।

धूं-धूं कर जली मुंबई से जालान जा रही बस, ड्राइवर ने ऐसे बचाई 12 यात्रियों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ हफ्तों से देश के अलग-अलग जगहों से बस हादसे की खबरें आ रहीं हैं। इनमें से सबसे दर्दनाक बस आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हुआ। वहीं, ताजा मामला महाराष्ट्र के मुंबई से आ रहा है। यहां मुंबई से जालना जा रही एक निजी लग्जरी बस में आग लग गई। हालांकि, ड्राइवर की सतर्कता से बस में सवार यात्रियों की जान बच गई।

दरअसल, यह हादसा मुंबई से जालना जा रही एक निजी बस में सुबह करीब 3 बजे नागपुर लेन पर हुआ। लग्जरी बस में बस ड्राइवर और उसके सहायक के अलावा 12 यात्री सवार थे। इस दौरान बस ड्राइवर हुसैन सैय्यद की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया। उसने सतर्कता दिखाई और समय रहते बस रोककर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और एक दर्जन लोगों की जान बचाई।

मौके पर पहुंची पुलिस

एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर अग्निशमन विभाग, राजमार्ग पुलिस और टोल प्लाजा के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। एम्बुलेंस और लाइफगार्ड की टीमें भी समय पर पहुंच गईं। बस में आग लगने की वजह नागपुर लेन पर कुछ देर के लिए जाम लग गया। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है।

क्या भारत-चीन सीमा पर कम होगा तनाव? दोनों देशों के बीच LAC पर हुई हाई लेवल बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन की सेनाओं ने लद्दाख में तनाव कम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 23वें कोर कमांडर स्तर की बातचीत मोल्दो-चुशुल में हुई, जहां दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने पर गहन चर्चा की। चीनी रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह बैठक 25 अक्टूबर 2025 को भारतीय पक्ष के मोल्दो-चुशुल बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर हुई। दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों ने पश्चिमी सेक्टर की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव प्रबंधन और स्थिरता बनाए रखने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने चीन-भारत सीमा के पश्चिमी हिस्से के प्रबंधन पर सक्रिय और गहन संवाद किया है। संवेदनशील क्षेत्रों में तनाव कम करने के तरीकों पर भी विचार साझा किए गए।

यह बैठक दोनों देशों के नेताओं के बीच बने महत्वपूर्ण समझौते के तहत हुई। दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने सैन्य और कूटनीतिक चैनलों के जरिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई। इसके साथ ही, सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा, भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की 23वीं बैठक 25 अक्टूबर 2025 को चुशुल-मोल्दो सीमा मिलन बिंदु पर आयोजित की गई। 19 अगस्त 2025 को आयोजित विशेष प्रतिनिधि वार्ता के 24वें दौर के बाद से पश्चिमी क्षेत्र में जनरल स्तरीय तंत्र की यह पहली बैठक थी।

माउंट आबू में खाया 11 हजार का खाना, फिर बिना बिल दिए हुए फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के माउंट आबू के पास सियावा में हैपी डे होटल में पांच गुजराती पर्यटकों ने बिना पैसे दिए भागने का प्लान बनाया। इसमें एक महिला समेत पांच लोग शामिल थे।

वे लोग पहले होटल में घुसे, खूब सारा खाना ऑर्डर किया और फिर पेट भरकर खाया। लेकिन बिल चुकाने की बारी आई तो सबने वहां से चुपके से निकलने का फैसला किया। पांचों एक-एक करके वॉशरूम जाने का बहाना बनाया और फिर बाहर निकलते ही कार में सवार हो गए और भागने लगे।

अमेरिका और भारत में खत्म होने वाला है टैरिफ वॉर, ट्रंप ने दे दिए बड़ी डील के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका में जारी तनाव जल्द खत्म होने के आसार हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह भारत के साथ ट्रेड डील करने वाले हैं। इससे पहले कहा जा रहा था कि अमेरिका टैरिफ घटाकर 16 प्रतिशत करने का फैसला किया था। हालांकि, इसे लेकर भारत या अमेरिका सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

दक्षिण कोरिया पहुंचे ट्रंप ने बुधवार को कहा, ...अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो मैं भारत के साथ ट्रेड डील करने वाला हूं। मेरे मन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बहुत प्यार और सम्मान है...। हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि जल्द ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव कम हो सकता है। अमेरिका रूसी तेल की खरीद के मुद्दे पर भारत पर निशाना साधता रहा है।बीते हफ्ते खबरें आई थीं कि भारत और अमेरिका के बीच तीन में से दो मुद्दों पर सहमति बन गई है। वहीं, खबरें ये भी थीं कि भारत ने अमेरिका को भारतीय कृषि बाजार में एंट्री की अनुमति नहीं दी थी, जिसके चलते दोनों देशों के बीच बातचीत का दौर थम गया था। कहा जा रहा था कि रूसी तेल की खरीद में कमी पर भारत की सहमति के बाद अमेरिका ने टैरिफ 16 प्रतिशत पर करने के लिए तैयार हुआ था। ट्रंप ने शनिवार को एक बार फिर दावा किया कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करने जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत रूसी तेल खरीद में पूरी तरह से कटौती कर रहा है, जबकि चीन काफी हद तक कटौती करेगा। शनिवार को मलेशिया जाते समय विशेष विमान एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि भारत रूसी तेल खरीद में पूरी तरह से कटौती कर रहा है। ट्रंप और उनकी टीम लगातार आरोप लगाती रही है कि भारत रूसी तेल की खरीद से मुनाफाखोरी कर रहा है। साथ ही राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तेल की खरीद के जरिए वित्तीय सहयोग कर रहा है। अमेरिका ने भारत पर शुरुआत में 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माना लगाया था। इसके बाद भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया गया।

इजरायली सेना ने फिर किया गाजा पर ताबड़तोड़ हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में जारी युद्धविराम के बावजूद इजरायल ने रातभर हवाई में हमला किए। चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, गाजा में रात भर हुए इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या 81 हो गई है। गाजा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने हमास पर अपने सैनिकों पर हमला करने और अमेरिका द्वारा मध्यस्थता किए गए युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

दरअसल, गाजा में हुए हवाई हमले में पहले 30 से ज्यादा लोगों के मौत की खबर आई। उसके बाद कई बच्चों समेत कम से कम 60 लोगों के मारे जाने की खबर थी। शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने बताया कि अस्पताल को हमलों में मारे गए 21 और शव मिले हैं, जिनमें सात महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। ऐसे में देर रात गाजा में हुए हवाई हमले में 81 लोगों की मौत हो गई।

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने बताया कि उन्हें मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि गाजा शहर स्थित अस्पताल में भर्ती 45 घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिनमें 20 बच्चे भी शामिल हैं।

युद्धविराम फिर से लागू हो गया- गौरतलब है कि यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में आई है, जब इजराइली सेना ने कहा है कि गाजा में भारी हवाई हमले करने के बाद युद्धविराम फिर से लागू हो गया है। इसमें कहा गया है कि इजराइली सेना युद्धविराम समझौते का पालन करती रहेगी, लेकिन समझौते के किसी भी उल्लंघन का कड़ा जवाब देगी।

नेतन्याहू ने दिया आदेश- बता दें कि दक्षिणी गाजा में इजरायली बलों पर हमास की गोलीबारी के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को सेना को तत्काल गाजा पर तगड़े हमले करने के आदेश दे दिए।

इसके बार देर रात इजरायली बलों ने गाजा पर ताबड़तोड़ बमबारी की। टैंकों की गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें गूंज उठीं। इजरायल और हमास ने एक-दूसरे पर युद्धविराम का उल्लंघन करने के आरोप लगाए हैं।

मरते ही मिलेगी जन्नत..., मसूद अजहर क्यों बना रहा जैश की महिला जिहाद ब्रिगेड? रिकॉर्डिंग में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद अपनी महिला ब्रिगेड, जमात उल-मोमिनत बना रहा है। इसे जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर द्वारा लांच किया गया है। जिसके तहत वैश्विक जिहाद के लिए महिलाओं की भर्ती की जाएगी। इसमें शामिल होने के लिए अजहर अजहर महिलाओं को जन्नत भेजने के नाम पर बरगला रहा है।

दरअसल, जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर की 21 मिनट की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आई है। यह रिकार्डिंग जमात-उल-मोमिनत नाम के इस नए विंग के तहत महिलाओं को आंतकी ट्रेनिंग देने, इससे जुड़ी शिक्षा देने और उन्हें तैनात करने के लिए जैश के एक विस्तृत ब्लूप्रिंट का खुलासा करती है।

मसूद अजहर ने यह भाषण कथित तौर पर बहावलपुर के मरकज उस्मान-ओ-अली में दिया गया था। ऑडियो में मसूद अजहर बोलता है कि जिस तरह पुरुष आतंकियों को 15-दिनों के ÷दौरा-ए-तरबियत÷ नाम की ट्रेनिंग से गुजरना पड़ता है, उसी तरह जमात-उल-मोमिनत में शामिल होने वाली महिलाओं की बहावलपुर में मरकज उस्मान ओ अली में आयोजित दौरा-ए-तस्किया नाम की ट्रेनिंग होगी।

मौत के बाद सीधे जन्नत - जैश के प्रचार का पहला चरण, दौरा-ए-तरबियात, युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें यह विश्वास दिलाने पर केंद्रित है कि भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों में भाग लेने से उन्हें जन्नत का रास्ता मिल जाएगा।

लंदन में चाकूबाजी, 1 की मौत 2 घायल; संदिग्ध अफगानिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में एक युवक द्वारा किए गए चाकू के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो लोग घायल हो गए। चाकू मारने वाला युवक अफगानिस्तानी बताया जा रहा है। जो 2020 में ब्रिटेन आया था। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। हालांकि, इस हमले के पीछे आतंकवादी मकसद होने की संभावना से इनकार किया है।

दरअसल, पुलिस ने मंगलवार को पश्चिम लंदन में हुए चाकूबाजी मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। ब्रिटेन की मीडिया ने बताया कि संदिग्ध एक अफगान नागरिक था, जबकि आंतरिक मंत्रालय ने केवल इस बात की पुष्टि की कि वह 2022 से ब्रिटेन में कानूनी रूप से रहने वाला एक विदेशी था।

लंदन पुलिस ने एक बयान में कहा कि चाकू से हुए हमले के बाद 49 वर्षीय युवक को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। इस हमले में एक 45 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल है। जबकि एक 14 वर्षीय एक लड़के को मामूली चोट आई है। पुलिस प्रमुख अधीक्षक जिल हॉर्सफॉल ने बयान में इसे हिंसा का एक चौंकाने वाला और मूर्खतापूर्ण कृत्य कहा।

ट्रंप के दक्षिण कोरिया पहुंचने से ठीक पहले किम जोंग की चेतावनी, क्रूज मिसाइलों का किया परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की दक्षिण कोरिया की यात्रा से ठीक पहले उत्तर कोरिया ने समुद्र से सतह पर मार करने वाली क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन द्वारा इन मिशाइलों का परीक्षण ऐसे समय में किया गया है, जब ट्रंप एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन में शामिल होने के लिए उत्तर कोरिया पहुंच रहे हैं।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 29-30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के दौरे पर रहेंगे। ट्रंप के दौरे से ठीक एक दिन पहले उत्तर कोरिया ने समुद्र से सतह पर मार करने वाली क्रूज मिसाइलों का कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी तट पर परीक्षण किया।

उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया KCNA के अनुसार, बुधवार को बताया कि मिसाइलों को पीले सागर से लंबवत प्रक्षेपित किया गया और वे दो घंटे से अधिक समय तक उड़ती रहीं। इन मिसाइलों को समुद्र से वर्टिकल लॉन्च किया गया और वे लगभग 7,800 सेकंड तक एक तय मार्ग पर उड़ान भरने के बाद अपने लक्ष्य पर जाकर गिरीं।

कनाडा में भारतीय कारोबारी की हत्या, सिंगर के घर भी फायरिंग; लॉरेंस गैंग ने ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग ने कनाडा के एबॉट्सफोर्ड स्थित एक भारतीय मूल के उद्योगपति की हत्या और एक पंजाबी गायक के घर पर गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है।

ये दोनों घटनाएं राजस्थान पुलिस की ओर से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सक्रिय सदस्य जगदीप सिंह उर्फ जग्गा को अमेरिका में गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद हुई हैं।

पैसे मांगे तो नहीं दिए..- सोशल मीडिया पोस्ट में बिश्नोई गैंग के गोल्डी ढिल्लों ने कहा कि भारतीय मूल के उद्योगपति दर्शन सिंह साहसी की हत्या के पीछे उनका गैंग था।

गिरोह का दावा है कि साहसी एक बड़े ड्रग कारोबार से जुड़ा था और उसने उससे पैसे मांगे थे। पैसे न मिलने पर गैंग ने उसकी हत्या कर दी।

सिंगर के घर भी फायरिंग- गोल्डी ने पंजाबी गायक चन्नी नट्टन के घर पर हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी भी ली है। सोशल मीडिया पोस्ट में उसने लिखा, सत श्री अकाल! मैं गोल्डी ढिल्लों (लॉरेंस बिश्नोई गिरोह) हूं। गायक चन्नी नट्टन के घर पर कल हुई गोलीबारी का कारण सरदार खेड़ा है।

लॉरेंस गैंस ने म्यूजिक इंडस्ट्री को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, भविष्य में सरदार खेड़ा के साथ काम करने वाला या उनसे संबंध रखने वाला कोई भी गायक अपने नुकसान के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम सरदार खेड़ा को लगातार भारी नुकसान पहुंचाते रहेंगे। ढिल्लों ने आगे कहा कि यह हमला नट्टन के खिलाफ व्यक्तिगत नहीं था, चन्नी नट्टन से हमारी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है।

मोदी सबसे अच्छे दिखने वाले इंसान, प्रधानमंत्री के मुरीद हुए ट्रंप; ट्रेड डील पर क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने बुधवार को अपने एशिया दौरे के अंतिम चरण में दक्षिण कोरिया में कहा कि अमेरिका और भारत लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

गौरतलब है कि इस समझौते पर बातचीत महीनों से चल रही है। इसमें यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध और भारत की ओर से रूस से तेल खरीदने को लेकर विवाद और टैरिफ को लेकर विवाद भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, यदि आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो मैं भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा हूं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान और प्रेम है। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं।

भारत की ओर से अपने वैल्यू-सेंसटिव डेयरी और एग्रीकल्चर प्रोडक्ट के बाजार में अमेरिका की पहुंच से इनकार करने पर भी वार्ता रुकी हुई थी। हालांकि, पिछले हफ्ते खबरों में कहा गया था कि भारत की ओर से रूसी तेल खरीद कम करने पर सहमति बनाने की स्थिति में अमेरिका टैरिफ घटाकर 16 प्रतिशत करने पर राजी हो गया है।

ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ में पढ़े कसीदे- ट्रंप ने दक्षिण कोरियाई दौरे के दौरान कहा, मैं भारत के साथ एक व्यापार समझौता कर रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी के प्रति मेरे मन में गहरा सम्मान और प्रेम है। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। प्रधानमंत्री मोदी दिखने में सबसे अच्छे हैं। वह एक जबरदस्त इंसान हैं। वह काफी टफ हैं। हालांकि ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को लेकर भी बयान दिया है।

पाक को रास नहीं आ रहा भारत-अफगानिस्तान का दोस्ताना, ख्वाजा आसिफ बोले- दिल्ली के हाथ में काबुल की डोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर पुराना राग अलापना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तन भारत की कठपुतली है और दिल्ली से कंट्रोल होकर पाकिस्तान में आतंक फैला रहा है।

जियो न्यूज के प्राइमटाइम शो आज शहजेब खानजादा के साथ में आसिफ ने कहा कि अगर काबुल ने इस्लामाबाद पर हमला करने की सोची भी, तो उसका जवाब 50 गुना ताकतवर होगा।

आसिफ ने अफगान वार्ताकारों की तारीफ की कि उन्होंने जटिल बातचीत की, लेकिन काबुल में बैठे लोग दिल्ली के इशारे पर नाच रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत अपनी पश्चिमी सीमा पर हार का बदला काबुल के जरिए ले रहा है।

शांति वार्ता टूटने का ठीकरा भारत पर फोड़ा- इस्तांबुल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच शांति वार्ता अचानक टूट गई। आसिफ ने बताया कि जब भी समझौता नजदीक आता, काबुल को फोन जाता और सौदा पीछे खींच लिया जाता। उन्होंने कहा, हम समझौते पर पहुंचे थे, लेकिन काबुल को फोन आया और वे पीछे हट गए।

पाकिस्तान ने पहली बार सार्वजनिक रूप से माना कि उसके पास अमेरिका के साथ ड्रोन ऑपरेशन की अनुमति है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि यह समझौता तोड़ा नहीं जा सकता। इससे अफगान पक्ष भड़क गया और उन्होंने मांग की कि पाकिस्तान अफगान हवाई क्षेत्र में ड्रोन नहीं उड़ने देगा।

गूगल मैप देखकर कार चला रहा था युवक, अचानक हो गया हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के तकनीक के दौर में लोग अनजान जगह जाने के लिए गूगल मैप्स का सहारा लेना ज्यादा पसंद करते हैं, जिससे रास्ता भटक न जाएं। लेकिन क्या हो, जब इसी गूगल मैप्स की वजह से लोग परेशानी में फंस जाए तो? ऐसा ही कुछ हुआ है गुजरात के सूरत में।

अनजान जगहों तक पहुंचने के लिए गूगल मैप्स बेहद उपयोगी साबित होता है। गूगल मैप्स के भरोसे लोग हजारों किलोमीटर दूर अनजान जगह तक पहुंचने लगे हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट की सुविधा बढ़ने के साथ ही लोग गूगल मैप्स की मदद से दुर्गम जगहों पर भी पहुंच रहे हैं और उसका वीडियो और रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करके कमाई भी कर रहे हैं।

गूगल मैप्स के चक्कर में हो रहे हादसे- हालांकि, गूगल मैप्स के चक्कर में अक्सर हादसों की खबरें सामने आती रहती हैं। ऐसे में सूरत से एक और ऐसी ही घटना सामने आई है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत जिले के मंगरोल तालुका में रहने वाला एक युवक गूगल मैप्स की मदद से ईको कार से अपने गृहनगर की ओर जा रहा था।

कार लेकर निकलना पड़ा भारी- इस दौरान उसने गूगल मैप्स के अनुसार कार को आगे बढ़ाया और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर चढ़ गया। हालांकि, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सूरत और भरूच जिलों में कुछ जगहों पर काम अभी भी अधूरा है। इसी वजह से, इको लेकर निकला युवक गूगल मैप्स की गाइडेंस पर चलते हुए अचानक ऊंचाई से एक कार से टकराकर कीचड़ में गिर गया। जिससे उसकी कार कीचड़ में फंस गई।

कर्ज माफी को लेकर नागपुर की सड़कों पर उतरे किसान, लंबा जाम लगा; ट्रेनें रोकने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और प्रहार पार्टी के नेता बच्चू कडू के नेतृत्व में नागपुर में किसानों का आंदोलन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने राज्य भर के कर्ज में डूबे किसानों के लिए तत्काल और बिना शर्त कर्ज माफी की मांग की है।

सैकड़ों किसान नागपुर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर इकट्ठा हुए और यातायात अवरुद्ध कर दिया और कृषि संकट के समाधान में कथित निष्क्रियता के लिए राज्य सरकार के खिलाफ नारे भी लगाए। कडू ने चेतावनी दी कि अगर सरकार तुरंत कार्रवाई नहीं करती है तो विरोध प्रदर्शन और तेज हो जाएगा। कडू ने कहा, अब हम दोपहर 12 बजे के बाद रेल रोकेंगे। हमारे किसान कर्ज में डूबे हुए हैं। अगर राज्य सरकार के पास पैसा नहीं है, तो केंद्र सरकार को मदद करनी चाहिए। प्रहार पार्टी के नेता ने सरकार पर फसल मुआवजे और मूल्य आश्वासन की किसानों की मांगों की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया है। कडू ने आगे कहा, किसान सोयाबीन के लिए 6,000 रुपये और हर फसल पर 20 प्रतिशत बोनस की मांग कर रहे हैं। मध्य प्रदेश ने भावांतर योजना लागू की है, लेकिन महाराष्ट्र में एक भी फसल को उसका पूरा दाम नहीं मिल रहा है।

दाऊद इब्राहिम का करीबी दानिश चिकना गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गोवा में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के करीबी और ड्रग नेटवर्क के किंगपिन दानिश चिकाना उर्फ मर्चेंट को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के मुताबिक, दानिश लंबे समय से फरार था और दाऊद के नेटवर्क से जुड़े ड्रग कारोबार को संभाल रहा था।

NCB ने दानिश समेत तीन अन्य लोगों को भी पकड़ा है और उनके पास से 1.341 किलो मेफेड्रोन बरामद किया है। सूचना के आधार पर एनसीबी मुंबई ने 18 सितंबर को पुणे में एक व्यक्ति को पकड़ा था, जिसके पास से 502 ग्राम मेफेड्रोन मिला था।

दानिश के घर से बरामद हुई ड्रग- इसके तुरंत बाद हुई कार्रवाई में मुंबई में दानिश और उसकी पत्नी के घर से 839 ग्राम ड्रग बरामद हुई। जांच में सामने आया कि दानिश और उसकी पत्नी ही इस ड्रग सिंडिकेट को चला रहे थे।

गोवा में रिजॉर्ट से हुई गिरफ्तारी- दानिश और उसकी पत्नी गिरफ्तारी से बचने के लिए कई राज्यों में घूमते रहे। लंबी निगरानी और जांच के बाद NCB की टीम ने उन्हें 25 अक्टूबर को गोवा के एक रिजॉर्ट से गिरफ्तार किया। एनसीबी के मुताबिक, दानिश पहले भी कई बार ड्रग मामलों में पकड़ा जा चुका है।

SC का बड़ा फैसला, पूर्व चेयरमैन टामन के बेटे-भतीजे समेत चार आरोपितों को मिली जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ पीएससी घोटाला मामले में मुख्य आरोपित पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के बेटे नितेश सोनवानी और भतीजे साहिल सोनवानी समेत शशांक गोयल और उसकी पत्नी भूमिका कटियार को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है।

सीबीआइ ने इस मामले में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, बजरंग पावर इस्पात कंपनी के निदेशक श्रवण कुमार गोयल, उनके बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटियार, तत्कालीन उप नियंत्रक परीक्षा (सीजीपीएससी) ललित गणवीर, निशा कोसले, दीपा आदिल, सुमित ध्रुव समेत अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस वजह से जेल में बंद- सभी अभी जेल में बंद है। आरोप है कि आयोग के पूर्व अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी और तत्कालीन सचिव जीवन किशोर ध्रुव, आरती वासनिक, ललित गणवीर आदि ने अपने पदों का दुरुपयोग कर परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक कराकर अपने रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों को पीएससी की परीक्षा पास करवाया। चयनित उम्मीदवार डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी जैसे उच्च पद पर पदस्थ किए गए थे।

सीबीआई को मिली जांच- फरवरी 2024 में राज्य सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी। पिछले वर्ष जुलाई में सीबीआई ने 2020-2022 परीक्षा के दौरान सीजीपीएससी के माध्यम से डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य सीनियर सरकारी पदों के लिए चयन में पक्षपात के आरोप में छत्तीसगढ़ में दर्ज दो मामलों की जांच अपने हाथ में लिया था। सीबीआइ के अनुसार, पूर्व अध्यक्ष सोनवानी ने अपने भतीजों का चयन सुनिश्चित करने के लिए रिश्तेदार शब्द को परिवार से बदलकर नियमों में हेरफेर किया था।

आभा आइडी कार्ड निर्माण में प्रदेश में चौथा स्थान बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आभा आइडी कार्ड बनाने में वाराणसी प्रदेश में चौथे स्थान पर काबिज। प्रयागराज प्रथम, बरेली दूसरे और तीसरे स्थान पर आजमगढ़ है। हेल्थ रिकार्ड बनाने के लिए गांव से शहर तक लोगों की आभा आइडी कार्ड बनाया जा रहा है।

ऐसे में प्रयागराज 39.9 लाख कार्ड बनाकर प्रदेश में नंबर वन बना हुआ है। प्रदेश में नंबर आने के लिए वाराणसी जिले को और अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

स्वास्थ्य सेवा प्रदान करें = आभा कार्ड लोगों को भारत भर में स्वास्थ्य सुविधाओं, क्लीनिकों और अस्पतालों तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करता है।

डिजिटल स्वास्थ्य रिकार्ड= आभा कार्ड आपको स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (संचालकों) के साथ अपने स्वास्थ्य रिकार्ड तक डिजिटल रूप से पहुंचने और साझा करने की अनुमति देता है।

डाक्टरों तक पहुंच प्राप्त करें = आभा कार्ड आपको सत्यापित डाक्टरों को खोजने के लिए हेल्थकेयर प्रोफेशनल रेजिस्ट्री (एचपीआर) तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करता है।

स्वास्थ्य बीमा = इसके अलावा, आभा कार्ड कई स्वास्थ्य सेवा लाभों और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं से जुड़ता है।

बीमा दावों का प्रबंधन करें - आभा कार्ड बीमा दावों का प्रबंधन करने में मदद करता है।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा विकल्प = आभा कार्ड आपको उचित स्वास्थ्य सेवा विकल्प चुनने में मदद करता है।

आयुष स्वास्थ्य सेवा = आभा कार्ड का उपयोग करके आपको आयुष स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच मिलती है।

आभा कार्ड डाउनलोड- वर्तमान में आभा कार्ड डाउनलोड दो अलग-अलग तरीकों में किया जा रहा है। आभा पोर्टल या आभा एप के माध्यम से। आधार नंबर द्वारा आभा कार्ड डाउनलोड आभा पोर्टल में किया जाता है।

अमिताभ बच्चन का पैर छूने पर भड़के खालिस्तानी आतंकियों ने दी दिलजीत दोसांझ को धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस ने पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले कॉन्सर्ट को बंद करवाने की धमकी दी है। यह धमकी दिलजीत दोसांझ द्वारा अमिताभ बच्चन के पैर छूने के बाद की गई है। सिख्स फॉर जस्टिस का कहना है कि अमिताभ का पैर छूकर दिलजीत ने 1984 सिख नरसंहार के हर पीड़ित, हर विधवा और हर अनाथ का अपमान किया है.

दरअसल, कौन बनेगा करोड़पति में अमिताभ बच्चन के पैर छूने के बाद दिलजीत दोसांझ को कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। 01 नवंबर को पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का ऑस्ट्रेलिया में कॉन्सर्ट होने वाला है। इससे पहले खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस ने इसे बंद करवाने की धमकी दी है।

क्यों भड़के खालिस्तानी- आतंकी संगठन के मुताबिक, अमिताभ बच्चन वो बॉलीवुड एक्टर हैं, जिन्होंने 31 अक्टूबर 1984 को %खून का बदला खून के नारे के साथ हिंदुस्तानी भीड़ को उकसाया था, जिसके बाद हिंसक दस्तों ने नरसंहार किया। इस नरसंहार में 30,000 से ज्यादा सिख लोग मारे गए थे। ऐसे में दिलजीत दोसांझ द्वारा अमिताभ बच्चन के पैर छुने के बाद यह गैंग भड़क उठा है।

एक अंग्रेजी वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, सिख फॉर जस्टिस ने पंजाबी गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ द्वारा बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के पैर छूने पर उनके कॉन्सर्ट को बंद करने की धमकी दी है।

1 नवंबर को क्यों नहीं मना सकता उत्सव- सिख फॉर जस्टिस समूह द्वारा साझा किए गए एक बयान में आरोप लगाया गया है कि बच्चन ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 के दंगों के दौरान हिंसा भड़काने में भूमिका निभाई थी। उन्होंने आगे कहा, यह अज्ञानता नहीं, विश्वासघात है। जिन सिखों को जिंदा जला दिया गया, जिन महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ, जिन बच्चों का कत्ल किया गया, उनकी राख अभी ठंडी नहीं हुई है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल नवमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

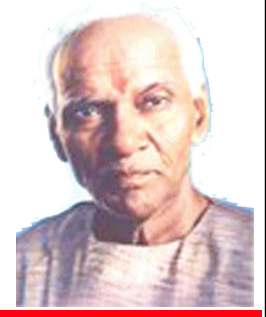

संपादकीय

दुनियां का हर देश जलवायु परिवर्तन व अनेक शहरों नगरों में जल जमाव से बुरी तरह पीड़ित

वैश्विक स्तरपर दुनियां का हर देश जलवायु परिवर्तन व अनेक शहरों नगरों में जल जमाव से बुरी तरह पीड़ित हैं, जिसका समाधान करने के लिए पेरिससमझौते से लेकर अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समस्या का स्थाई हल निकालने पर मंथन होता रहता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र,मेरा मानना है कि इसका स्थाई समाधान हम मानवीय योनि की दिनचर्या बदलने पर निर्भर है,यानें हम अगर प्राकृतिक संसाधनों से छेड़छाड़ उनके अवैध दोहन छोड़ने का संकल्प करें तथा जल जमाव का महत्वपूर्ण कारण सिंगल यूस प्लास्टिक का उपयोग करना छोड़ दें, तो हर देश को जलवायु परिवर्तन व जल जमाव का स्थाई समाधान मिल जाएगा। मैं आज इन दोनों विषयों पर आर्टिकल लिखने का मानस इसलिए बनाया क्योंकि, मेरे एक व्हाट्सएप ग्रुप में एक पोस्ट आया जिसपर गटर से निकली हुई पानी की प्लास्टिक खाली बोतल प्लास्टिक का कचरा व सिंगल यूस प्लास्टिक भारी मात्रा में उस गटर से निकली पड़ी थी और पोस्ट में लिखा था बारिश के पानी का जल भराव तो सबको दिखता है,जनहानि भी होती है परंतु इसका कारण अपनी गलती किसी को नहीं दिखती,बस! मैंने उसे देखकर कोट करके लिखा आज इसी विषय पर आर्टिकल लिखना तय है। मेरा मानना है कि जलवायु परिवर्तन से दुर्गति व नगरों में जल जमाव दोनों समस्याएं मानवीय देन है। अगर हम प्राकृतिक संसाधनों का अवैध खनन दोहन बंद कर व सिंगल यूस प्लास्टिक का उपयोग बंद कर दें तो इस भीषण समस्या से निदान पा सकते हैं हालांकि इन दोनों समस्याओं पर नियंत्रित करने के लिए प्रत्येक देश सहित भारत में भी सख्त कानून नियम विनियम बने हुए हैं जिसमें 19 चीजों पर सख्त बैन लगाया गया है, व सजा का भी प्रावधान है, फिर भी हम इन कानून नियमों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं, तो जल जल जमाव के दोषी हम खुद हैं। चूंकि प्लास्टिक कचरा जल निकासी साधनों को चोक करता है, जिसके भयानक परिणाम मानवीय जीव खुद भुगतता है, व जल भराव जलवायु परिवर्तन से भारी नुकसान व जनहानि के दोषी हम मानवीय जीव खुद ही हैं इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा व सिंगल यूस प्लास्टिक बैन कानूनों नियमों विनियमों का पालन करना हर मानवीय जीव का परम कर्तव्य है।

साथियों बात अगर हम जल जमाव का जिम्मेदार प्लास्टिक कचरे की करें त,केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली में हुई मूसलाधार बारिश के बाद जलजमाव के लिए प्लास्टिक कचरे से अटे नालों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इसके साथ ही दिल्ली सरकार की भी आलोचना की। बता दें, सीजन की पहली भारी बारिश ने दिल्ली में जलजमाव वाली सड़कों, अंडरपासों, पानी में फंसे वाहनों और लंबे ट्रैफिक जाम को फिर से जीवित कर दिया। कई लोगों ने शहर की जल निकासी व्यवस्था पर निराशा व्यक्त की। मेरा मानना है कि इसमें जन्म मानस भी दोषी है क्योंकि वे कानूनी बैन के बावजूद सिंगल प्लास्टिक यूस कर रहे हैं। उन्होंने भारत जलवायु शिखर सम्मेलन में कहा,हमने एकल-उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया और दिल्ली सरकार से कार्रवाई करने को भी कहा। हमने दिल्ली सरकार के उद्योग विभाग से इन (एकल-उपयोग प्लास्टिक विनिर्माण) इकाइयों को बंद करने के लिए कई बार कहा है।उन्होंने कहा कि इन इकाइयों ने न केवल पर्यावरणीय खतरों में योगदान दिया है, बल्कि औद्योगिक आपदाओं का भी अनुभव किया। बता दें ,जलजमाव का मुख्य कारण पॉलिथीन के कारण नालियों का जाम होना है। हमें व्यक्तिगत व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत है और यह स्थानीय सरकार का भी हिस्सा होना चाहिए। जलजमाव के लिए प्लास्टिक कचरा जिम्मेदार है।

साथियों बात अगर हम सिंगल यूस प्लास्टिक को जानने की करें तो,ऐसी प्लास्टिक जो सिर्फ एक ही बार इस्तेमाल के लायक को उसे सिंगल यूज प्लास्टिक कहा जाता है। जैसे- प्लास्टिक की थैलियां, प्याले, प्लेट, छोटी बोतलें, स्ट्रॉ और कुछ पाउच सिंगल यूज प्लास्टिक हैं।इसलिए इस तरह के प्लास्टिक को एक बार इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता है। दरअसल आधी से ज्यादा इस तरह की प्लास्टिक पेट्रोलियम आधारित उत्पाद होते हैं। इनके उत्पादन पर खर्च बहुत कम आता है। यही वजह है कि रोजाना के बिजनस और कारोबारी इकाइयों में इसका इस्तेमाल खूब होता है।उत्पादन पर इसके भले ही कम खर्च हो लेकिन फेंके गए प्लास्टिक के कचरे, उसकी सफाई और उपचार पर काफी खर्च होता है।सिंगल यूज प्लास्टिक के अंदर जो रसायन होते हैं, उनका इंसान और पर्यावरण के स्वास्थ्य पर काफी बुरा असर पड़ता है। प्लास्टिक की वजह से मिट्टी का कटाव काफी होता है।

दयानंद सरस्वती

महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती (जन्म- 12 फरवरी, 1824 - गुजरात, भारत; मृत्यु- 30 अक्टूबर, 1883 अजमेर, राजस्थान) आर्य समाज के प्रवर्तक और प्रखर सुधारवादी संन्यासी थे। जिस समय केशवचन्द्र सेन ब्रह्मसमाज के प्रचार में संलग्न थे लगभग उसी समय दण्डी स्वामी विरजानन्द की मथुरा पुरी स्थित कुटी से प्रचण्ड अग्निशिखा के समान तपोबल से प्रज्वलित, वेदविद्यानिधान एक संन्यासी निकला, जिसने पहले-पहल संस्कृतज्ञ विद्वात्संसार को वेदार्थ और शास्त्रार्थ के लिए ललकारा। यह संन्यासी स्वामी दयानन्द सरस्वती थे।

परिचय- प्राचीन ऋषियों के वैदिक सिद्धांतों की पक्षपाती प्रसिद्ध संस्था, जिसके प्रतिष्ठाता स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात की छोटी-सी रियासत मोरवी के टंकारा नामक गाँव में हुआ था। मूल नक्षत्र में पैदा होने के कारण पुत्र का नाम मूलशंकर रखा गया। मूलशंकर की बुद्धि बहुत ही तेज़ थी। 14 वर्ष की उम्र तक उन्हें रुद्री आदि के साथ-साथ यजुर्वेद तथा अन्य वेदों के भी कुछ अंश कंठस्थ हो गए थे। व्याकरण के भी वे अच्छे ज्ञाता थे। इनके पिता का नाम अम्बाशंकर था। स्वामी दयानन्द बाल्यकाल में शंकर के भक्त थे। यह बड़े मेधावी और होनहार थे। शिवभक्त पिता के कहने पर मूलशंकर ने भी एक बार शिवरात्रि का व्रत रखा था। लेकिन जब उन्होंने देखा कि एक चुहिया शिवलिंग पर चढ़कर नैवेद्य खा रही है, तो उन्हें आश्चर्य हुआ और धक्का भी लगा। उसी क्षण से उनका मूर्तिपूजा पर से विश्वास उठ गया। पुत्र के विचारों में परिवर्तन होता देखकर पिता उनके विवाह की तैयारी करने लगे। ज्यों ही मूलशंकर को इसकी भनक लगी, वे घर से भाग निकले। उन्होंने सिर मुंडा लिया और गेरुए वस्त्र धारण कर लिए। ब्रह्मचर्यकाल में ही ये भारतोद्धार का व्रत लेकर घर से निकल पड़े। इनके जीवन को मोटे तौर से तीन भागों में बाँट सकते हैं-

घर का जीवन(1824-1845),

भ्रमण तथा अध्ययन (1845-1863) एवं

प्रचार तथा सार्वजनिक सेवा। (1863-1883)

महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

स्वामी दयानन्द जी के प्रारम्भिक घरेलू जीवन की तीन घटनाएँ धार्मिक महत्त्व की हैं =

चौदह वर्ष की अवस्था में मूर्तिपूजा के प्रति विद्रोह (जब शिवचतुर्दशी की रात में इन्होंने एक चूहे को शिव की मूर्ति पर चढ़ते तथा उसे गन्दा करते देखा),

अपनी बहिन की मृत्यु से अत्यन्त दुःखी होकर संसार त्याग करने तथा मुक्ति प्राप्त करने का निश्चय।

इक्कीस वर्ष की आयु में विवाह का अवसर उपस्थित जान, घर से भागना। घर त्यागने के पश्चात् 18 वर्ष तक इन्होंने संन्यासी का जीवन बिताया। इन्होंने बहुत से स्थानों में भ्रमण करते हुए कतिपय आचार्यों से शिक्षा प्राप्त की।

शिक्षा- बहुत से स्थानों में भ्रमण करते हुए इन्होंने कतिपय आचार्यों से शिक्षा प्राप्त की। प्रथमतः वेदान्त के प्रभाव में आये तथा आत्मा एवं ब्रह्म की एकता को स्वीकार किया। ये अद्वैत मत में दीक्षित हुए एवं इनका नाम शुद्ध चैतन्य पड़ा। पश्चात् ये सन्यासियों की चतुर्थ श्रेणी में दीक्षित हुए एवं यहाँ इनकी प्रचलित उपाधि दयानन्द सरस्वती हुई।

फिर इन्होंने योग को अपनाते हुए वेदान्त के सभी सिद्धान्तों को छोड़ दिया।

स्वामी विरजानन्द के शिष्य- सच्चे ज्ञान की खोज में इधर-उधर घूमने के बाद मूलशंकर , जो कि अब स्वामी दयानन्द सरस्वती बन चुके थे, मथुरा में वेदों के प्रकाण्ड विद्वान् प्रज्ञाचक्षु स्वामी विरजानन्द के पास पहुँचे। दयानन्द ने उनसे शिक्षा ग्रहण की। मथुरा के प्रज्ञाचक्षु स्वामी विरजानन्द, जो वैदिक साहित्य के माने हुए विद्वान् थे। उन्होंने इन्हें वेद पढ़ाया । वेद की शिक्षा दे चुकने के बाद उन्होंने इन शब्दों के साथ दयानन्द को छुट्टी दी मैं चाहता हूँ कि तुम संसार में जाओं और मनुष्यों में ज्ञान की ज्योति फैलाओ। संक्षेप में इनके जीवन को हम पौराणिक हिन्दुत्व से आरम्भ कर दार्शनिक हिन्दुत्व के पथ पर चलते हुए हिन्दुत्व की आधार शिला वैदिक धर्म तक पहुँचता हुआ पाते हैं।

हरिद्वार में- गुरु की आज्ञा शिरोधार्य करके महर्षि स्वामी दयानन्द ने अपना शेष जीवन इसी कार्य में लगा दिया। हरिद्वार जाकर उन्होंने 'पाखण्डखण्डिनी पताका' फहराई और मूर्ति पूजा का विरोध किया। उनका कहना था कि यदि गंगा नहाने, सिर मुंडाने और भभूत मलने से स्वर्ग मिलता, तो मछली, भेड़ और गधा स्वर्ग के पहले अधिकारी होते। बुजुर्गों का अपमान करके मृत्यु के बाद उनका श्राद्ध करना वे निरा ढोंग मानते थे। छूत का उन्होंने ज़ोरदार खण्डन किया। दूसरे धर्म वालों के लिए हिन्दू धर्म के द्वार खोले। महिलाओं की स्थिति सुधारने के प्रयत्न किए। मिथ्याडंबर और असमानता के समर्थकों को शास्त्रार्थ में पराजित किया। अपने मत के प्रचार के लिए स्वामी जी 1863 से 1875 तक देश का भ्रमण करते रहे। 1875 में आपने मुम्बई में 'आर्यसमाज' की स्थापना की और देखते ही देखते देशभर में इसकी शाखाएँ खुल गईं। आर्यसमाज वेदों को ही प्रमाण और अपौरुषेय मानता है।

हिन्दी में ग्रन्थ रचना- आर्यसमाज की स्थापना के साथ ही स्वामी जी ने हिन्दी में ग्रन्थ रचना आरम्भ की। साथ ही पहले के संस्कृत में लिखित ग्रन्थों का हिन्दी में अनुवाद किया। 'ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका' उनकी असाधारण योग्यता का परिचायक ग्रन्थ है। 'सत्यार्थप्रकाश' सबसे प्रसिद्ध ग्रन्थ है। अहिन्दी भाषी होते हुए भी स्वामी जी हिन्दी के प्रबल समर्थक थे। उनके शब्द थे - 'मेरी आँखें तो उस दिन को देखने के लिए तरस रहीं हैं, जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सब भारतीय एक भाषा को बोलने और समझने लग जायेंगे।' अपने विचारों के कारण स्वामी जी को प्रबल विरोध का भी सामना करना पड़ा। उन पर पत्थर मारे गए, विष देने के प्रयत्न भी हुए, डुबाने की चेष्टा की गई, पर वे पाखण्ड के विरोध और वेदों के प्रचार के अपने कार्य पर अडिग रहे।

इन्होंने शैवमत एवं वेदान्त का परित्याग किया, सांख्ययोग को अपनाया जो उनका दार्शनिक लक्ष्य था और इसी दार्शनिक माध्यम से वेद की भी व्याख्या की। जीवन के अन्तिम बीस वर्ष इन्होंने जनता को अपना संदेश सुनाने में लगाये। दक्षिण में बम्बई से पूरा दक्षिण भारत, उत्तर में कलकत्ता से लाहौर तक इन्होंने अपनी शिक्षाएँ घूम-घूम कर दीं। पण्डितों, मौलवियों एवं पादरियों से इन्होंने शास्त्रार्थ किया, जिसमें काशी का शास्त्रार्थ महत्त्वपूर्ण था। इस बीच इन्होंने साहित्य कार्य भी किये। चार वर्ष की उपदेश यात्रा के पश्चात् ये गंगातट पर स्वास्थ्य सुधारने के लिए फिर बैठ गये। ढाई वर्ष के बाद पुनः जनसेवा का कार्य आरम्भ किया।

आर्य समाज की स्थापना- 1863 से 1875 ई. तक स्वामी जी देश का भ्रमण करके अपने विचारों का प्रचार करते रहें। उन्होंने वेदों के प्रचार का बीडा उठाया और इस काम को पूरा करने के लिए संभवतः 7 या 10 अप्रैल 1875 ई. को आर्य समाज नामक संस्था की स्थापना की[2]। शीघ्र ही इसकी शाखाएं देश-भर में फैल गई। देश के सांस्कृतिक और राष्ट्रीय नवजागरण में आर्य समाज की बहुत बड़ी देन रही है। हिन्दू समाज को इससे नई चेतना मिली और अनेक संस्कारगत कुरीतियों से छुटकारा मिला। स्वामी जी एकेश्वरवाद में विश्वास करते थे। उन्होंने जातिवाद और बाल-विवाह का विरोध किया और नारी शिक्षा तथा विधवा विवाह को प्रोत्साहित किया। उनका कहना था कि किसी भी अहिन्दू को हिन्दू धर्म में लिया जा सकता है। इससे हिंदुओं का धर्म परिवर्तन रूक गया।

हिन्दी भाषा का प्रचार- स्वामी दयानंद सरस्वती ने अपने विचारों के प्रचार के लिए हिन्दी भाषा को अपनाया। उनकी सभी रचनाएं और सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश मूल रूप में हिन्दी भाषा में लिखा गया।

उनका कहना था - मेरी आंख तो उस दिन को देखने के लिए तरस रही है। जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक सब भारतीय एक भाषा बोलने और समझने लग जाएंगे। स्वामी जी धार्मिक संकीर्णता और पाखंड के विरोधी थे। अतः कुछ लोग उनसे शत्रुता भी करने लगे। इन्हीं में से किसी ने 1883 ई. में दूध में कांच पीसकर पिला दिया जिससे आपका देहांत हो गया। आज भी उनके अनुयायी देश में शिक्षा आदि का महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

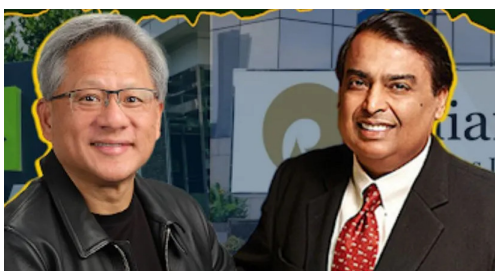

जितना रिलायंस इंडस्ट्रीज का कुल मार्केट कैप, उससे ज्यादा NVIDIA ने एक दिन में जोड़ लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी Nvidia मंगलवार को 5 ट्रिलियन की मार्केट कैपिटल वाली इतिहास की पहली कंपनी बन गई। Nvidia का स्टॉक NASDAQ पर करीब 5 फीसदी बढ़कर 201.03 के ऑल-टाइम क्लोजिंग हाई पर पहुंच गया।

चिप बनाने वाली Nvidia के शेयर की कीमत में तब बढ़ोतरी हुई, जब कंपनी ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोसेसर के लिए 500 बिलियन के ऑर्डर और अमेरिकी एनर्जी डिपार्टमेंट के लिए 7 नए सुपरकंप्यूटर बनाने की योजना का ऐलान किया।

रिलायंस की कुल मार्केट से ज्यादा बढ़ी MCap- खास बात ये है कि रिलायंस की जितनी कुल मार्केट कैपिटल है, उससे ज्यादा एनवीडिया की मार्केट कैपिटल एक दिन में बढ़ गई। इस समय रिलायंस की मार्केट कैपिटल 20.31 लाख करोड़ ( ) रुपये है। जबकि लास्ट ट्रेडिंग पर एनवीडिया की मार्केट कैपिटल में 20.47 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

नए प्रोडक्ट्स और पार्टनरशिप्स का एलान- Nvidia CEO जेन्सेन हुआंग ने मंगलवार को वाशिंगटन, D.C. में एक डेवलपर कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की तारीफ करते हुए की। उन्होंने अपनी स्पीच में नए प्रोडक्ट्स और पार्टनरशिप्स का भी ऐलान किया।

रिलायंस अंबानी भी एनवीडिया की कस्टमर- हाल की पार्टनरशिप के आधार पर रिलायंस इंडस्ट्रीज Nvidia की एक स्ट्रेटेजिक पार्टनर और कस्टमर है। दोनों कंपनियाँ भारत में एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। Nvidia रिलायंस के गुजरात में बनने वाले 1-गीगावाट डेटा सेंटर को पावर देने के लिए अपने ब्लैकवेल AI प्रोसेसर और ग्रेस हॉपर चिप्स सप्लाई करेगी।

खूब नई डील कर रही है एनवीडिया- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को दुनिया भर में अधिक से अधिक अपनाया जा रहा है और इस सेगमेंट में एक अहम कंपनी के तौर पर, Nvidia अमेरिका-चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर के बीच नई-नई डील कर रही है।

क्या होता है Crypto ETF, कैसे कर सकते हैं इनमें निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपने अक्सर एक शब्द सुना होगा ईटीएफ। ईटीएफ यानी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड। एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड एक इन्वेस्टमेंट फंड होता है, जो किसी इंडेक्स की परफॉर्मेंस को ट्रैक करता है। कोई ईटीएफ स्टॉक्स, बॉन्ड्स या इसी तरह की अन्य एसेट्स के एक रूप में निवेश करता है। ट्रेडिशनल मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स के श्रृंखला की तरह ही, निवेशक क्रिप्टोकरेंसी ETFs (Cryptocurrency ETF) में भी इन्वेस्ट कर सकते हैं।

क्या होते हैं क्रिप्टोकरेंसी ईटीएफ, इनमें कैसे किया जा सकता है निवेश, आइए जानते हैं।

समझ लीजिए क्या होता है क्रिप्टो ईटीएफ- क्रिप्टो ईटीएफ एक पूल्ड इन्वेस्टमेंट ऑप्शन है, जिसमें निवेशकों का पैसा एक क्रिप्टोकरेंसी या अलग-अलग क्रिप्टो टोकन के कॉम्बिनेशन में निवेश किया जाता है और उन क्रिप्टो टोकन की कीमतों को ट्रैक किया जाता है। क्रिप्टो ईटीएफ दो तरह के होते हैं।

क्या हैं क्रिप्टो ईटीएफ के फायदे

सस्ता निवेश ऑप्शन - जब निवेशक क्रिप्टो श्रृंखला में निवेश करते हैं, तब निवेशकों को वास्तविक क्रिप्टो टोकन की कीमत के मुकाबले बहुत कम रेट क्रिप्टो एसेट ईटीएफ के रूप में मिल जाती है। जैसे कि बिटकॉइन बहुत महंगी है।

लेंसकार्ट के शेयरों की बढ़ती डिमांड, पहले 90 तो अब 100 करोड़, IPO से पहले SBI फंड ने कर डाली इतनी बड़ी खरीदारी

लेंसकार्ट का आईपीओ आने से पहले एसबीआई म्यूचुअल फंड ने इस कंपनी पर बड़ा दांव लगाया है। दरअसल, एक रिपोर्ट में रेगुलेटरी फाइलिंग के विश्लेषण से पता चला है कि एसबीआई म्यूचुअल फंड ने लेंसकार्ट में पब्लिक इश्यू आने से पहले 100 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले डीमार्ट के फाउंडर और अरबपति निवेशक राधाकिशन दमानी भी प्री-आईपीओ ट्रांजेक्शन में लेंसकार्ट के 90 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीद चुके हैं।

इस निवेश से लेंसकार्ट का मूल्य लगभग 7.7 बिलियन डॉलर आंका जा रहा है, जो भारत के सबसे बड़े घरेलू फंड हाउस में से एक एसबीआई म्यूचुअल फंड द्वारा एक अहमण प्री-आईपीओ एंट्री है।

यह निवेश एसबीआई एमएफ के दो ऑप्शनल इन्वेस्टमेंट फंड्स- एसबीआई ऑप्टिमल इक्विटी फंड और एसबीआई इमर्जेंट फंड के माध्यम से किया गया, जिन्होंने कंपनी की एक प्रमोटर नेहा बंसल से 402 रुपये प्रति शेयर की दर से 24.87 लाख शेयर खरीदे। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कुल लेनदेन मूल्य 100 करोड़ रुपये रहा। लेंसकार्ट का एंकर राउंड 29 अक्टूबर को खुलेगा, जिसके बाद 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच यह आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए ओपन होगा। कंपनी का लक्ष्य नए इश्यू और मौजूदा निवेशकों द्वारा 12.76 करोड़ शेयरों के ऑफर फॉर सेल के जरिए 2150 करोड़ रुपये जुटाना है।

लेंसकार्ट ने वित्त वर्ष 2025 में 297 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में उसे 10 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू साल-दर-साल 23 प्रतिशत बढ़कर 6,652 करोड़ रुपये हो गया। जून 2025 तिमाही (वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही) में, इसने 1,894.5 करोड़ रुपये के राजस्व पर 61.2 करोड़ रुपये का प्रॉफिट दिखाया था।

टाटा पावर शेयर प्राइस 480 रुपये तक जाएगा! मोतीलाल ओसवाल ने गिनाई इसके तेजी से बढ़ने की वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा पावर में आज तेजी देखने को मिल रही है। यह आज 12.80 रुपये या 3.21त्न की तेजी के साथ ?410.90 पर ट्रेड कर रहा है। टाटा पावर शेयर ने पिछले एक साल में निवेशकों को बहुत निराश किया है। यह पिछले 1 साल में 3.40 तक फिसला है। टाटा पावर 11 नवंबर को रिजल्ट घोषित करने वाली है। ऐसे में क्या आगे इसके शेयर में कमाई के मौके बनेंगे?

मोतिलाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में टाटा पावर शेयर के बढ़ने की संभावना बताई है। तो चलिए जानते हैं कि टाटा पावर शेयर प्राइस टारगेट कितना है।

मोतीलाल ओसवाल आखिर टाटा पावर शेयर में क्यों बुलिश है चलिए 5 वजह जानते हैं।

1. खास उत्प्रेरकों और विविध व्यावसायिक मॉडल के साथ अपने जुड़ाव के कारण, टाटा पावर मज़बूत विकास के लिए अच्छी स्थिति में है।
2. प्रस्तावित वितरण सुधार, जो एक ही नेटवर्क पर कई लाइसेंसधारियों को अनुमति देते हैं, कंपनी की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं और वितरण क्षेत्र में कंपनी के लिए विस्तार की गुंजाइश पैदा कर सकते हैं।
3. कंपनी 40 से अधिक जिलों के लिए उत्तर प्रदेश वितरण निविदा पर सक्रिय रूप से काम कर रही है, जो उसके विनियमित व्यवसाय को बढ़ाने का एक सार्थक अवसर प्रस्तुत करता है।

लगातार घट रहे हैं सोने के दाम, क्या शादी के लिए अभी खरीद लें या इंतजार करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने के दाम लगातार कम हो रहे हैं। दिवाली में सोने की कीमत 1,32,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई थी। लेकिन दिवाली के बाद से ही इसमें लगातार गिरावट आ रही है। अब सोने की कीमत 119,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब हो गई है।

इसमें हो रही गिरावट को देख इसे खरीदने के बारे में सोच रहे हैं। क्योंकि अभी शादी का सीजन भी नजदीक है। लेकिन क्या अभी सोना खरीदना ठीक है। आइए समझते हैं।

एक्सपर्ट ने क्या बताया- हमने ये सवाल कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया से पूछा। उन्होंने कहा कि अगर आप इसे शादी के लिए खरीद रहे हैं, तो इसे अभी खरीद लें। इसमें गिरावट का इंतजार न करें। ऐसा भी हो सकता है कि कोई तीन या चार साल में शादी का प्लान कर रहो, लेकिन बढ़ती कीमत को देख अभी खरीदने का फैसला लें, तो ऐसे में उसे क्या करना चाहिए।

इस सवाल पर अजय केडिया ने कहा कि ऐसे में व्यक्ति गोल्ड ईटीएफ में पैसा लगा सकता है। जितना भी रिटर्न उसे गोल्ड में मिलना होगा, वो उसे ईटीएफ से मिल जाएगा। इसका मतलब हुआ कि जितना गोल्ड बढ़ेगा, वो उस व्यक्ति को रिटर्न के रूप में मिल जाएगा। इस तरह से वे बाद में भी गोल्ड आसानी से खरीद सकता है।

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस साल निवेश के उद्देश्य से देखें तो गोल्ड 70 से 80 फीसदी रिटर्न दे चुका है। इसका कारण साल भर में होने वाली विश्व अस्थिरता है। ये अस्थिरता गोल्ड को सपोर्ट करती रही। हालांकि अगर अगले साल कुछ ऐसी अस्थिरता नहीं बनती, तो गोल्ड में मामूली तेजी देखी जाएगी।

कितनी कम होगी गोल्ड की कीमत- कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया ने बताया कि अगर आगे भी कोई बड़ी विश्व अस्थिरता न रही तो सोने की कीमत 1,05,000-1,08,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच सकती है। हालांकि ये कीमत अगले 6 महीने में देखी जाएगी। वहीं इसी कीमत के आसपास ही गोल्ड ट्रेड करता रहेगा। सोने में एक टाइम करेक्शन देखी जा सकती है। टाइम करेक्शन का अर्थ ये हुआ कि बड़ी गिरावट न आना, लेकिन एक जैसी ही कीमत लंबे समय के लिए रहना।.

इस भारतीय अरबपति ने दिखाया दम, खरीद लिया रूस से तेल; अमेरिका की नाक के नीचे कर दी बड़ी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टील टाइकून और भारतीय अरबपति कारोबारी लक्ष्मी मित्तल के एक एनर्जी जॉइंट वेंचर ने उन जहाजों से ट्रांसपोर्ट किया गया रूसी तेल खरीद लिया है, अमेरिका की बैन लिस्ट में शामिल हैं। यह जानकारी सैटेलाइट इमेज, शिपिंग डेटा और कस्टम्स रिकॉर्ड के आधार पर सामने आई है।

पंजाब के बठिंडा में गुरु गोबिंद सिंह रिफाइनरी, जो लंबे समय से च में रहने वाले मित्तल की को-ओनरशिप वाली एक बड़ी ऑयल रिफाइनरी है, को इस साल कम से कम चार क्रूड शिपमेंट मिले, जिनकी कीमत लगभग 280 मिलियन (करीब 2470 करोड़ रुपये) थी।

किन जहाजों के जरिए हुई शिपमेंट- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लक्ष्मी मित्तल के जॉइंट वेंचर को मिली शिपमेंट ज्यादातर रूस से आई और प्रतिबंध वाली लिस्ट में शामिल जहाजों से लाई गईं। गुरु गोबिंद सिंह रिफाइनरी भारत की 10वीं सबसे बड़ी रिफाइनरी है, जो हर साल 11.3 मिलियन टन तेल प्रोसेस कर सकती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

खाद लेने जा रहे किसानों को ट्रक ने रौंदा, एक की मौत; फतेहपुर चौराहे पर दर्दनाक हादसा

शिवपुरी। जिले में किसान खाद के लिए बेहद परेशान है, हालात यह हो गए हैं कि कोई पूरी रात खात के गोदामों के बाहर सोकर निकाल रहा है तो कोई आधी रात को नींद से जागकर खाद की लाइन में लगने के लिए गोदाम पर पहुंच रहा है।

इसी क्रम में बुधवार की अलसुबह शिवपुरी के कोतवाली थानांतर्गत फतेहपुर चौराहे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने खाद लेने के लिए जा रहे तीन किसानों को टक्कर मार दी।

हादसे में एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो किसान घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार गुड़ा निवासी महाराज सिंह पाल के पुत्र भरत पाल उम्र 22 साल, विशाल उम्र 20 साल व ग्राम ईटमा निवासी जंडले पुत्र साहब सिंह पाल उम्र 20 साल बुधवार की अल सुबह 4 बजे जागकर खाद लेने के लिए लुधावली स्थित खाद के गोदाम पर आ रहे थे, ताकि जल्दी पहुंचकर लाइन में आगे लग जाएं और जल्दी से खाद प्राप्त कर सकें।

जब यह तीनों बाइक से शिवपुरी के फतेहपुर चौराहे पर पहुंचे तभी एक ट्रक के चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में भरत पाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विशाल और जंडेल घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

खाद खत्म होने का सता रहा था डर

अगर विशाल की मानें तो वह कल भी खाद लेने के लिए गोदाम पर आए थे, परंतु दिन भर लाइन में लगने के बाबजूद उन्हें खाद नहीं मिला था। विभाग के कर्मचारियों ने शाम 5 बजे तक खाद वितरण किया था। ऐसे में उन्हे आशंका थी कि अगर वह लेट पहुंचे तो शायद खाद खत्म न हो जाए। यही वजह रही कि वह जल्दी उठकर बाइक से शिवपुरी आ रहे थे, ताकि लाइन में आगे लग सकें। ऐसे में खाद मिलने की उम्मीद बढ़ जाएगी।

भाजपा नेता नीलेश रजक हत्याकांड के दो आरोपी एनकाउंटर में घायल, इलाज के लिए जबलपुर भेजा

कटनी। कैमोर में भाजपा नेता नीलेश रजक हत्याकांड के आरोपित एनकाउंटर में घायल हुए हैं। दोनों को जबलपुर इलाज के लिए भेजा गया है। एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि हत्या के दोनों आरोपित कैमोर निवासी अकरम खान और प्रिंस जोसफ को कजरवारा से पकड़ा गया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपितों ने पुलिस पर फायर किया, जिसके जवाब में आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में 4 गोलियां चलीं और दोनों आरोपित घायल हो गए हैं। उन्हें तत्काल इलाज के लिए जबलपुर रवाना किया गया है।

मंगलवार की सुबह कैमोर निवासी भाजपा नेता नीलेश उर्फ नीलू रजक की दो युवकों ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसमें आरोपित अकरम खान व प्रिंस जोसफ का नाम सामने आया था। घटना के बाद कैमोर और विजयराघवगढ़ में बवाल मच गया था। लोगों ने बाजार बंद कर चक्काजाम कर दिया था। देर रात तक कई थानों के पुलिस बल सहित आइजी, डीआईजी और अन्य अधिकारी डेरा डाले रहे।

ग्वालियर में अदनान सामी पर धोखाधड़ी का आरोप, कोर्ट में केस दायर

ग्वालियर। प्रसिद्ध गायक अदनान सामी पर ग्वालियर की एक इवेंट आर्गेनाइजर ने गंभीर आरोप लगाए हैं। इवेंट आर्गेनाइजर लावण्या सक्सेना ने जिला न्यायालय में परिवाद दायर किया है जिसमें कहा है कि अदनान सामी की टीम ने रद्द हुए म्यूजिक कान्सर्ट की 17 लाख 62 हजार रुपये की एडवांस राशि अब तक वापस नहीं की है।

लावण्या सक्सेना ने 27 सितंबर 2022 को ग्वालियर में अदनान सामी का एक म्यूजिक कान्सर्ट आयोजित करने की योजना बनाई थी। इस कार्यक्रम के लिए कुल 33 लाख रुपये की फीस तय हुई, जिसमें से लावण्या ने 17.62 लाख रुपये का एडवांस भुगतान अदनान सामी की टीम को कर दिया था। हालांकि, एडवांस राशि प्राप्त होने के कुछ समय बाद ही अदनान सामी की टीम ने कार्यक्रम रद्द कर दिया। उस समय टीम की ओर से यह कहा गया था कि बाद में नई तारीख तय की जाएगी। लेकिन कार्यक्रम दोबारा आयोजित नहीं हो सका। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की

इसके बाद जब लावण्या ने अपनी एडवांस राशि वापस मांगी, तो टीम ने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया। पैसे न लौटाए जाने से परेशान होकर लावण्या सक्सेना ने चार सितंबर को थाना इंदरगंज में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

इसके बाद उन्होंने 11 सितंबर को एसएसपी धर्मवीर सिंह यादव को शिकायत सौंपी और छह अक्टूबर को आइजी अरविंद सक्सेना के कार्यालय में भी आवेदन दिया, लेकिन वहां से भी कोई राहत नहीं मिली। आखिरकार लावण्या ने 27 अक्टूबर 2025 को जिला न्यायालय ग्वालियर का दरवाजा खटखटाया। अब इस मामले की सुनवाई 24 नवंबर को होगी।

रीवा से 72 सीटर विमान ने भरी पहली सफल उड़ान, शहर के ही पायलट राघव लाए थे टेस्ट फ्लाइट

रीवा। रीवा और समूचे विंध्य क्षेत्र के लोगों का लंबे समय से देखा गया सपना आख़िरकार पूरा हो गया है। रीवा एयरपोर्ट पर एलायंस एयर के 72-सीटर एटीआर 72 विमान ने आज अपनी पहली सफल ट्रायल उड़ान भरी। विमान की सफल लैंडिंग और टेक-ऑफ ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि रीवा एयरपोर्ट अब नियमित हवाई सेवा के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह रीवा के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने वाला एक ऐतिहासिक पल है, जिसने क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल पैदा कर दिया है।

ऐतिहासिक उड़ान और स्थानीय पायलट का गौरव

जबलपुर से रीवा आया एटीआर 72 विमान, रीवा एयरपोर्ट के रनवे पर सुगमता से उतरने के बाद, दोबारा सफलतापूर्वक उड़ान भरकर वापस रवाना हो गया। इस ट्रायल फ्लाइट का मुख्य उद्देश्य रनवे की उपयुक्तता और एयरपोर्ट पर मौजूद सभी तकनीकी उपकरणों (इक्विपमेंट्स) जैसे नेविगेशन सिस्टम और सुरक्षा व्यवस्था की जाँच करना था। विमान के पायलट ने स्मूथ लैंडिंग की पुष्टि की और बताया कि रनवे विमान के संचालन के लिए पूरी तरह से उपयुक्त है। इस ऐतिहासिक उड़ान को और भी खास बना दिया रीवा के ही मूल निवासी पायलट राघव मिश्रा ने। रीवा के इस लाल ने न केवल इस विमान को रीवा की धरती पर उतारा, बल्कि इसकी पहली सफल उड़ान भी भरी। एयरपोर्ट पर मौजूद लोगों और राघव मिश्रा के परिजनों के लिए यह दोहरी खुशी का पल था। इस उपलब्धि पर पायलट राघव मिश्रा का भव्य स्वागत किया गया। पायलट राघव मिश्रा ने इस अवसर पर अपने जज़्बातों को व्यक्त करते हुए कहा, यह मेरे लिए बहुत ही सुखद क्षण है।

मैं खुद रीवा से हूं, और आज मुझे इस फ़्लाइट को ऑपरेट करने का मौका मिला, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं पहले सोचा करता था कि यार, रीवा में भी प्लेन उतरना चाहिए और हमें कनेक्टिविटी मिलनी चाहिए, और आज मुझे ही इसे ऑपरेट करने का मौक़ा मिला। उन्होंने कहा कि वह इस उपलब्धि को शब्दों में बयां नहीं कर सकते और महसूस कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री और एयरपोर्ट अथॉरिटी का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने इस एयरपोर्ट को पुनर्जीवित किया।

उप-मुख्यमंत्री के अथक प्रयास लाए रंगइस बड़ी सौगात और ऐतिहासिक उपलब्धि का पूरा श्रेय उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के अथक प्रयासों को दिया गया। एयरपोर्ट पर मौजूद अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस मौके पर उप-मुख्यमंत्री को धन्यवाद किया और कहा कि उनके दृढ़ संकल्प और लगातार फॉलोअप के कारण ही आज रीवा को यह बड़ी सौगात मिल सकी है।

एक अधिकारी ने इस दौरान मीडिया को बताया कि हम उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को धन्यवाद देना चाहेंगे, उनके प्रयासों से और हम सबकी मेहनत से यह संभव हुआ है। अब रीवा के लिए और अवसर खुलेंगे, और जगहों के लिए कनेक्टिविटी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह एलायंस एयर की एक शुरुआत मात्र है, और भविष्य में यहां से और नई फ्लाइट्स शुरू होंगी तथा नए शहर जुड़ेंगे।

नियमित सेवा जल्द होगी शुरू, लोगों में उत्साह का माहौलट्रायल फ्लाइट की सफलता ने नियमित हवाई सेवा शुरू होने की राह आसान कर दी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी और स्थानीय प्रतिनिधियों ने बताया कि अब इस ट्रायल की विस्तृत रिपोर्ट एयरलाइन कंपनी को सौंपी जाएगी। उनके अनुसार, सब कुछ तय योजना के अनुसार चला तो रीवा से नियमित विमान सेवा अगले महीने नवंबर के पहले सप्ताह से ही शुरू हो जाने की पूरी संभावना है।यह एटीआर 72 विमान 72 सीटों वाला है और माना जा रहा है कि यह सेवा विंध्य क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक विकास के नए द्वार खोलेगी। लंबे समय से कनेक्टिविटी की कमी झेल रहे रीवा के लोगों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। फिलहाल, किराए को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि एयरलाइन कंपनी ही जल्द ही रूट और किराए का निर्धारण करेगी। इस ऐतिहासिक मौके पर न केवल पायलट राघव मिश्रा के परिवार वाले मौजूद थे, बल्कि रीवा के कई गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। सभी में ज़बरदस्त उत्साह और गौरव का भाव था। राघव मिश्रा के परिजनों ने कहा कि उनके बेटे को ही इस टेस्ट फ़्लाइट को संचालित करने का अवसर मिला, यह पूरे रीवा के लिए बड़े गर्व की बात है।

बहुआयामी होगा प्रदेश का 70वां स्थापना दिवस समारोह

इंदौर। प्रदेश का 70वां स्थापना दिवस समारोह बहुआयामी होगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम भव्य और दिव्य रूप में मनाया जाएगा। आगामी एक से तीन नवम्बर तक भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस दौरान बहुरंगी शिल्प मेला, सुगम संगीत, नाटक, जनजातीय लोक नृत्य, ड्रोन शो आदि होंगे। समारोह में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकॉस्ट) पहली बार तकनीकी मार्गदर्शन देकर विशेष भूमिका में सामने आ रहा है। भोपाल के आकाश पर सबसे विशाल विजुअल सेलेब्रेशन पहलीबार दिखाई देगा। मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक विरासत, स्थापत्य कला, पर्यटन महत्व और जनजातीय सभ्यता को इस ड्रोन-शो में देखा जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्थापना दिवस समारोह के स्वरूप पर इस माह चार बार बैठकों में समीक्षा की है। गहन मंथन और चिंतन के बाद समारोह को मनोरंजन के साथ सार्थक संदेश देने का आयोजन बनाने के उद्देश्य से रचना की गई है। समारोह की थीम उद्योग और रोज़गार वर्ष 2025 के अनुरूप प्रदेश में हुए नवाचारों और विकास के विशेष प्रयासों पर केन्द्रित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर स्थापना दिवस समारोह की गतिविधियों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के हितग्राहियों को भी शामिल किया गया है।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में इंदौर विकास प्राधिकरण संचालक मण्डल की बैठक सम्पन्न

इंदौर। संभागायुक्त एवं इंदौर विकास प्राधिकरण के सह अध्यक्ष डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में इंदौर विकास प्राधिकरण संचालक मण्डल की बैठक प्राधिकरण कार्यालय में सम्पन्न हुयी। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा चलायी जा रही विभिन्न विकास योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने जानकारी देते हुए बताया कि इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट प्लान का क्षेत्रफल 6631.40 वर्ग किलोमीटर के स्थान पर अब 9989.69 वर्ग

किलोमीटर होगा। इस संबंध में प्रस्ताव स्वीकति हेतु राज्य शासन को भेजा गया है। योजना क्रमांक 172 में प्रस्तावित कन्वेंशन सेंटर को पीपीपी मोड पर बनाये जाने हेतु निर्णय लिया गया है। इसके चयन हेतु कन्सलटेंट द्वारा निविदा में रखी जाने वाली शर्तों के विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किये गये। संचालक मण्डल द्वारा कन्वेंशन सेंटर के लिये निविदा आमंत्रित करने का निर्णय भी लिया गया।

योजना क्रमांक 151 और 159बी में स्टार्ट-अप पार्क के उपयोग के संबंध में पीपीपी मोड पर तैयार करवाये जा रहे निविदा प्रपत्र हेतु व्ययन की प्रक्रिया के लिए विभिन्न विकल्प प्रस्तुत किये गये। उल्लेखनीय है कि उक्त निर्णय से पीपीपी मोड पर स्टार्ट-अप पार्क हेतु निविदा आमंत्रण करने का रास्ता साफ हो जायेगा। योजना क्रमांक टीपीएस-5 पर 6 करोड़ 79 लाख रूपये की रिटेनिंग वॉल के निर्माण हेतु निविदा सहित टीपीएस-4 में 6 करोड़ 54 लाख रूपये लागत से बगीचे के चारों और बाउण्ड्रीवाल का निर्माण एवं टीपीएस-5 में एक करोड़ 91 लाख रूपये लागत से बगीचे में पाथवे का निर्माण की निविदाएं स्वीकृत की गई हैं। साथ ही नवनिर्मित सांदीपनी स्कूल नंदानगर, शिव नगर एवं पाल काकरिया में आंतरिक साज-सज्जा एवं फर्निचर हेतु निविदाएं स्वीकृत की गई है।

ट्रांसमिशन लाइन के प्रतिबंधित सीमा क्षेत्र में अनाधिकृत निर्माण करने के कारण हुआ हादसा

इंदौर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की 220 के.व्ही. सबस्टेशन साउथ जोन इंदौर से निकली 132 के.व्ही. साउथ जोन - केट 1 ट्रांसमिशन लाइन के प्रतिबंधित मार्ग सीमा में मानव जीवन के लिए घातक क्षेत्र में अनाधिकृत निर्माण करने के कारण एक युवक की मौत हो गई। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा इन्हें पूर्व में

बकायदा नोटिस जारी किए गए थे एवं इन क्षेत्र में सार्वजनिक मुनादी के अलावा एमपी ट्रांसको के अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह घातक निर्माण हटाने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर अनेक बार समझाइश भी दी थी।

राजेंद्र नगर क्षेत्र की अभीर विहार कॉलोनी राऊ में दीपावली की सजावट के लिये युवक अपने मकान पर झालर (लाइटिंग सीरीज़) लगा रहा था तभी यह दुर्घटना हुई।

इंदौर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू

इंदौर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगामी 3 नवम्बर तक बीएलओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। बीएलओ द्वारा 4 नवम?बर से 4 दिसम?बर तक घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसम?बर को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची के संबंध में दावा-आपत्तियों के आवेदन 9 दिसम्बर से 8 जनवरी 2026 तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों के सुनवाई और प्रामाणिकरण के बाद 7 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। यह जानकारी आज यहां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक में दी गई। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पंवार नवजीवन विजय, सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी और राजनीतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यक्रम, प्रक्रिया और इस संबंध में निर्वाचन आयोग से प्राप्त दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा ने कहा कि इस विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से शुद्ध मतदाता सूची पारदर्शी रूप से तैयारी की जाएगी। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से सहयोग की अपेक्षा भी उन्होंने व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तय कार्यक्रम और दिए गए दिशा-निर्देशानुसार सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से छूटे नहीं और अपात्र का नाम जुड़े नहीं। बैठक में बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत घर-घर जाकर मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जाएगा। जिले के सभी 2625 मतदान केन्द्रों के लिए बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की नियुक्ति कर उन्हें उक्त कार्य के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भारिया, बैगा एवं सहरिया समुदाय के घरों के विद्युतीकरण के लिए 78 करोड़ 94 लाख रुपये का अनुमोदन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान अंतर्गत प्रदेश में PVTG समूहों यथा भारिया, बैगा एवं सहरिया समुदाय के घरों के विद्युतीकरण के लिए विद्युत वितरण कंपनियों की अतिरिक्त कार्ययोजना द्वितीय चरण का अनुमोदन प्रदान किया गया है। स्वीकृति अनुसार प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान के अंतर्गत अतिरिक्त 18 हजार

338 अविद्युतीकृत क्लस्टर घरों के विद्युतीकरण के लिए विद्युत अधोसंरचना विस्तार के लिए लगभग 78 करोड़ 94 लाख रुपये की द्वितीय चरण की कार्ययोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस के लिए 60 प्रतिशत राशि 47 करोड़ 36 लाख रूपये केन्द्र शासन से अनुदान प्राप्त होगा व शेष 40 प्रतिशत राशि 31 करोड़ 58 लाख रुपये राज्य शासन द्वारा वितरण कंपनियों को अंशपूंजी के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी। पीएम जनमन अन्तर्गत प्रदेश के 24 जिलों में निवासरत भारिया, बैगा एवं सहरिया समुदाय के अविद्युतीकृत घरों के विद्युतीकरण के लिये बसाहट वार पूर्व स्वीकृत सीमा एक लाख रूपये प्रति हाउसहोल्ड को बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति हाउसहोल्ड किये जाने की स्वीकृति दी गई। विद्युत कंपनियों द्वारा 2 लाख रूपये प्रति हाउसहोल्ड तक आकलित लागत से विद्युतीकरण किया जायेगा।

ग्रामीणों के अनकहे दर्द को समझ कर कलेक्टर ने निःशुल्क हेल्प डेस्क शुरू करवा कर निजी टाइप ऑपरेटर की मनमानी से दिलाई निजात

इंदौर। आलीराजपुर कलेक्ट्रेट में होने वाली जनसुनवाई तक पहुंचने का किराया जुटाने में ही जिन्हें पसीने आ जाते हैं, ऐसे में इनसे जब टाइप ऑपरेटर आवेदन टाइप करने के बदले में 50 से 100 रुपये मांगता है, तब इनके सामने एक और नया आर्थिक संकट खड़ा हो जाता।

ऐसे संकट से गरीबों को निजात दिलाने के लिए आलीराजपुर कलेक्टर ने हेल्प डेस्क की व्यवस्था शुरू की है ।

इस हेल्प डेस्क के जरिये ग्रामीणों को अब अपने आवेदन टाइप करवाने के लिए मनमाने रुपये वसूलने वाले टाइप ऑपरेटरों के भरोसे रहना नही पड़ेगा। आलीराजपुर जिला कलेक्टर नीतू माथुर ने नवाचार करते हुए ग्रामीण जनों को मनमानी वसूली से निजात दिलाने के लिए कलेक्टर परिसर में ही निःशुल्क आवेदन बनवाने यानी हेल्प डेस्क की व्यवस्था कर दी है।

गौरतलब है कि इस मामले में कलेक्टर माथुर ने पिछली जनसुनवाई के दौरान कहा था कि ग्रामीण जन काफी दूर दराज से जनसुनवाई में आते हैं। कम पढे लिखे होने के कारण इनमें से कइयों को अपने आवेदन निजी टाइप ऑपरेटर संस्थानों से बनवाना पड़ता है। इस वजह से उनका समय तो खराब होता ही है अपितु निजी ऑपरेटर उनसे मनमाने रुपये भी लेते हैं। इन सभी परेशानियों को ध्यान करते हुए कलेक्टर परिसर में निःशुल्क आवेदन टाइप करवाने की व्यवस्था करवा दी गई है।

hindkush.in
24x7 News portal

दैनिक हिन्दकुश

jagrayam.com
online news magazine

सर्वे भवन्तु सुखिनः

भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्रीमती सीमा वशिष्ठ — संपादक
श्री संजय ज्ञानी — संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास — संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य — कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा — उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय — विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव — विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे — ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर — संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर — संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी — विशेष प्रतिनिधि

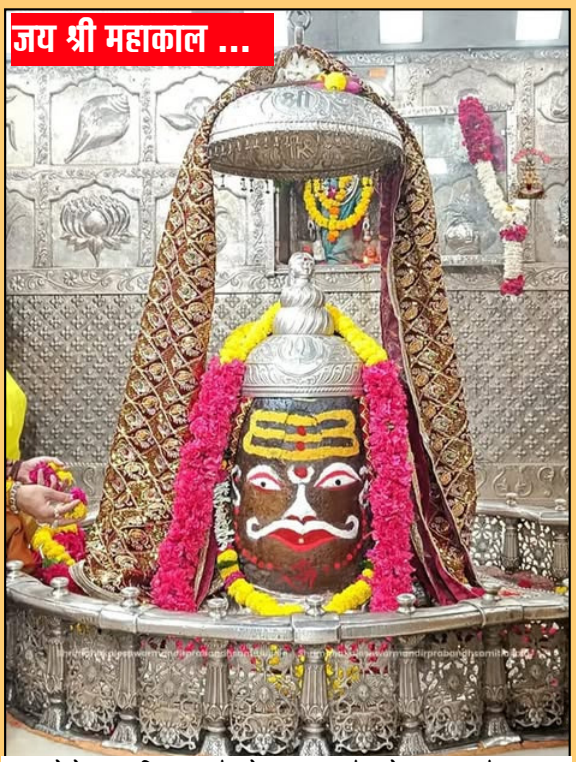

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा-विश्वविद्यालय द्वारा नवीन कला शिक्षा विभाग की स्थापना विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक कदम

सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कला शिक्षा विभाग द्वारा दीपावली मिलन समारोह आयोजित

उज्जैन । सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा है कि विश्वविद्यालय द्वारा नवीन कला शिक्षा विभाग की स्थापना विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक कदम है। विभाग के विद्यार्थियों में जो प्रतिभा और सृजनशीलता है, वह यह दर्शाती है कि यह विभाग न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि रचनात्मकता और सांस्कृतिक समृद्धि के क्षेत्र में भी नई दिशा देगा।

सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की सतत शिक्षा अध्ययनशाला में कला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह 2025 के भव्य आयोजन में कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए उपरोक्त उद्गार व्यक्त किए। यह आयोजन उत्साह, उमंग और

सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। विशेष अतिथि सतत शिक्षा अध्ययनशाला एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला के प्रभारी संचालक डॉ. सुशील कुमार शर्मा एवं वरिष्ठ रंगकर्मी व विभाग के संयोजक श्री सतीश दवे थे।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा कि विश्वविद्यालय अगले महीने राज्य स्तरीय युवा उत्सव की मेजबानी करने जा रहा हैं, इस आयोजन को विश्वविद्यालय ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा और ऐसी उम्मीद है कि, युवा उत्सव में कला शिक्षा विभाग अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा और संभव है कि आगामी कालिदास समारोह में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी नाट्य मंचन के माध्यम से भी अपनी पहचान दर्ज कराएंगे।

सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने इस आयोजन को लेकर अपने प्रेषित संदेश ने कहा कि यह विभाग के विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट आयोजन हैं। विघार्थियों द्वारा इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम हमें संस्कृति से जुड़े रहना सिखाते हैं। कला शिक्षा विभाग एवं विद्यार्थियों को ढेरों शुभकामनाएं। वरिष्ठ रंगकर्मी व विभाग के संयोजक श्री सतीश दवे ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस प्रकार की पहल विश्वविद्यालयों में विरले ही देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यह विभाग जिस सरलता और दूरदर्शिता से प्रारंभ किया गया है, वह विश्वविद्यालय प्रशासन की संवेदनशील सोच और विद्यार्थियों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कला शिक्षा विभाग निश्चित रूप से उज्जैन के सांस्कृतिक परिदृश्य में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

आतिशबाजी के साथ हुआ अग्रवाल समाज का दीपावली मिलन समारोह

बाल योगी उमेशनाथ महाराज, महाराजा अग्रसेन अवार्ड से सम्मानित

उज्जैन। उज्जैन अग्रवाल विकास समिति द्वारा स्वयं के निजी भवन महाराजा अग्रसेन भवन अलकनंदा नगर पर भव्य आतिशबाजी के साथ दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बाल योगी उमेशनाथ महाराज राज्यसभा सांसद को महाराजा अग्रसेन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र मित्तल एवं कार्यक्रम संयोजक अजीत मंगलम ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उमेशनाथजी महाराज राज्यसभा सांसद, भारतीय जनता

पार्टी नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, निगम सभापति कलावती यादव उपस्थित रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाराजा अग्रसेन महालक्ष्मी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांसद उमेश नाथजी महाराज ने इस अवसर पर अपनी सांसद निधि से भवन निर्माण के लिए 8,00,000 देने की घोषणा भी की। संचालन अजीत मंगलम ने किया एवं आभार संस्था के सचिव सुनील अग्रवाल ने माना। अतिथियों का स्वागत सांस्कृतिक सचिव पंकज अग्रवाल, कीर्तिश हरभजनका, अभिषेक बंसल, दिनेश हरभजनका आदि ने किया। इस अवसर पर संस्था के अशोक अग्रवाल, ओमप्रकाश गर्ग, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, डॉ विमल गर्ग आदि विशेष रूप से मौजूद रहे।

1 नवंबर को सजेगी सूफी महफिल, 'एक शाम जश्ने गाजी मियां के नाम'

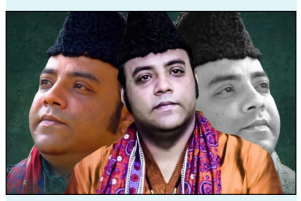

उज्जैन। हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल, सूफी संत मोहम्मद शाह गाजी मियां सालार का सालाना उर्स मुबारक निहायत शानो शौकत के साथ मनाया जा रहा है।

आयोजक जावेद शेख ने बताया के हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मोहम्मद शाह गाजी मियां सालार का उर्स मुबारक 1 नवंबर, शनिवार को बंधन गार्डन में अयोजित किया जायेगा। जिसमे मुख्य अतिथि शहर काजी खलीकुर्रहमान, सूफी जाकिर मिया (गब्बू बाबा) बफेजे रुहानी बाबा सलीम कलंदरी, राहुल चौहान (धार), एडवोकेट सफाअत रसूल जावरा रहेंगे।

श्री शिरडी साईबाबा द्वारकामाई (अखण्ड धुनी) देवस्थान पर अन्नकूट महोत्सव आज

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री शिरडी साईबाबा द्वारकामाई (अखण्ड धुनी) देवस्थान पर अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह आज 30 अक्टूबर गुरूवार को आयोजित किया जाएगा।

महाकाल मार्ग गुदरी चौराहा पर चौबीस खम्बा माता मंदिर के पीछे स्थित श्री शिरडी साईबाबा द्वारकामाई अखण्ड धुनी देवस्थान पर सच्चिदानन्द सदगुरु श्री साईनाथ महाराज अन्नकूट महोत्सव दर्शन आज सायं 6 बजे से प्रारंभ होंगे। वहीं श्री साईबाबा भजन संध्या सायं 7 बजे से प्रारंभ होगी साथ ही सच्चिदानन्द सदुरु श्री साईनाथ महाराज अन्नकूट महाआरती सायं 7.30 बजे होगी। महाआरती के पश्चात् अन्नकूट महोत्सव महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। श्री सांईधाम समिति (रजि.) उज्जैन एवं श्री शिरडी साईबाबा द्वारकामाई (अखण्ड धुनी) देवस्थान एवं समस्त साईभक्त एवं धर्मालुजन ने श्री शिरडी साईबाबा के परम भक्त एवं साधक श्री साई नरेशानंद जी महाराज शिरडी वासी के सानिध्य में होने वाले महोत्सव में परिवार व इष्टमित्रो सहित पधारकर धर्मलाभ अर्जित करने का अनुरोध किया है। साथ ही निवेदन किया कि सच्चिदानन्द सदुरु श्री साईनाथ महाराज के अन्नकूट महोत्सव हेतु भोग प्रसादी अपने घरों से या दुकान से कही से भी लावें स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रख सदुरु को अर्पित करें। एवं तैयार भोग प्रसादी आज 30 अक्टूबर गुरुवार को सायं 5 बजे तक मंदिर पर अर्पण करें। सुखी किराना सामग्री जैसे दाल, चावल, आटा, बेसन, शक्कर, तेल, घी, रखा एवं मसाले यथा शक्ति, यथा भक्ति सहयोग कर धर्मलाभ अर्जित करें।

जिनेंद्र आनंद वल्लभ कीर्ति ट्रॉफी प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रतापगढ़ ग्रुप बना विजेता

उज्जैन। महावीर भवन नमक मंडी में चातुर्मास हेतु विराजित मालवकीर्ति जिनशासन प्रभावीका उपप्रवर्तनी पूज्य श्री कीर्तिसुधा जी महाराज साहब आदि ठाणा चार के आशीर्वाद प्रेरणा व सानिध्य में आयोजित जिनेंद्र आनंद वल्लभ कीर्ति ट्रॉफी प्रश्न मंच में प्रतापगढ़ ग्रुप की सविता तरवेचा, अल्पना तरवेचा, ललिता फाफरिया, शुभी जैन सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विजेता ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार से हुए सम्मानित।

दूसरे स्थान पर शाजापुर ग्रुप की विजयलक्ष्मी जैन शशि भंडावत मीनल जैन और शीतल जैन तथा तीसरे स्थान पर नागदा जंक्शन ग्रुप की, विजया लुणावत साधना जैन, अमृतबेन मारू व संगीता सकलेचा रही इन दोनों ग्रुपों को भी नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। उज्जैन शुजालपुर आदि शहरों से भी कई प्रतियोगियों ने भाग लिया।

प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे प्रतियोगियों के साथ ही सभी ज्ञान प्रतिभाओं को परम गुरुनी भक्त श्रीमती रेखा अमित श्रीमाली परिवार उज्जैन की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए।

कालखंड(आरे) धार्मिक जनरल सामान्य विषय पर आधारित प्रश्न मंच के तीन राउंड मैं 30 प्रश्न पूछे गए थे इस

प्रश्न मंच का सफल संचालन संतोष जैन मामा (संपादक जिनेंद्र की आवाज)इंदौर द्वारा किया गया। स्मरण रहे कि मालवकीर्ति जी के पावन सानिध्य एवं प्रेरणा से उनके चातुर्मास काल में यह प्रश्न मंच प्रतियोगिता विगत 20 वर्षों से निरंतर चातुर्मास समापन पर हर शहर में आयोजित की जा रही है।

आंसर शीट बनाने में महासती पूज्य श्री नूतन प्रभा जी आराधनाश्रीजी के साथ ही संघ के युवा समाजसेवी श्री वरुण श्रीमाल का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

प्रश्न मंच को सफल बनाने में इस अवसर पर उपस्थित चातुर्मास समिति के सह संयोजक श्री सुनील लोढ़ा, महावीर भटेवरा, महेंद्र संचेती, प्रतापगढ़ से श्री अंबालाल चंडालिया बेरछा से श्री सूरजकरण जैन, उज्जैन महिला संघ की अध्यक्ष श्रीमती आभा गुप्ता,सरक्षक निर्मलाकांठेड़ आदि का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

श्रावक संघ के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश गादिया चातुर्मास समिति के संयोजक श्री प्रकाश गोखरू मंत्री मानमल दुग्गड, सुनील श्रीमाल आदि पदाधिकारीयो ने सभी विजेता टीम एवं प्रतिभागियों को बधाई दी।

ताम्रकार समाज ने मनाई सहस्त्रबाहु

बच्चों के लिए हुई खेलकूद प्रतियोगिता, महिलाओं ने की भजनों से भक्ति

उज्जैन। ताम्रकार समाज उज्जैन द्वारा बड़े हर्ष उल्लास से राजाधिराज श्री श्री सहस्त्रबाहु अर्जुन महाराज की जयंती मनाई गई।

अध्यक्ष निशिकांत ताम्रकार ने बताया कि ताम्रकार समाज उज्जैन द्वारा सहस्त्रबाहु जयंती पर समाज के बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं महिलाओं द्वारा गीत संगीत के माध्यम से आराध्यदेव की भक्ति की। पूजन के साथ ही महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीष ताम्रकार, जितेंद्र ताम्रकार, सचिन ताम्रकार, गौरव ताम्रकार, सोमेश ताम्रकार, इशांत ताम्रकार ने सहयोग किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com